पाठ 2 - बचपन

पष्ठृ संख्या:11

प्रश्न अभ्यास

सस्मरणं से

1. उम्र बढ़नेकेसाथ-साथ लेखिकामेंक्या-क्या बदलाव हुए हैं?पाठ सेमालमू करकेखलिो।

उत्तर

उम्र बढ़नेकेसाथ-साथ लेखिकाकेपहनावेमेंअनेकबदलाव आए। पहलेवेरंग-खबरंगेकपडेपहनती थीं जैसे नीला-जामनी ु-ग्रे-काला-चॉकलेटीपरन्त ु अब हलकेरंग पहननेलगीं है।पहलेवेफ्रॉक, खनकर-वॉकर, स्कटट, लहँगे,गरारेपहनती थीं परंत ु अब चड़ीदारू और घेरदारकुतेपहननेलगीं। पहनावेकेसाथ ि ानेमेंभी काफ़ी बदलाव आए।

2. लेखिकाबचपन मेंइतवार की सबहु क्या-क्या काम करती थीं?

उत्तर

लेखिकाबचपन मेंइतवार की सबहु अपनेमोज़ेव स्टॉखकंग को धोनेऔर अपनेजतों ू को पोखलश करनेका काम करती थीं।

3. 'तम्हें ुबताऊँ गीखक हमारेसमय और तम्हारेुसमय मेंखकतनी दरी ू हो चकी ु है।' - यह कहकर लेखिकाक्या-क्या बताती हैं?

उत्तर

यह कहकर लेखिकाउनकेऔर अभी केसमय मेंअतरं स्पष्ट करती हैं।उस समय मनोरंजन का साधन ग्रामोफ़ोन था परन्त ुआज रेखडयोऔर टेलीखवज़ननेउसकी जगह लेली। पहलेकी कुलफ़ी अब आइसक्रीम हो गयी।

कचौड़ी-समोसेकी जगह अब पैटीज़नेलेली है।शहततू और फ़ाल्सेऔर िसिस केशरबत का स्थान कोक-

पेप्सीनेलेखलया है।

4. पाठ सेपता करकेखलिो खक लेखिकाकेचश्मा लगानेपर उनकेचचेरेभाई उन्हेंक्यों छेड़तेथे।

उत्तर

लेखिकानेपहली बार चश्मा लगाया था इसखलए वो कुछ अजीब सी लग रही थीं, उन्हेंिदु भी अटपटा सा लग रहा था। इस कारण उनकेचचेरेभाई उन्हेंछेड़तेथे।

5. लेखिकाबचपन मेंकौन-कौन सी चीज़ेमज़ा ले-लेकरिाती थीं? उनमेंसेप्रमिु फलों केनाम खलिो।

उत्तर

लेखिकाबचपन मेंचाकलेटऔर चनेजोर गरम और अनारदानेका चणटूमज़ा ले-लेकरिाती थीं। रसभरी, कसमल और काफ़ल उनकेखप्रय फल थे।

पष्ृ सख्यां: 12

भाषा की बात

1. खक्रयाओ ंसेभी भाववाचक सज्ञाएँंबनती हैं।जैसेमारना से**मार**, काटना से**काट**, हारना से**हार**, सीिना से

सीख, पलटना से**पलट** और हड़पना से**हड़प** आखद भाववाचक सज्ञाएँ◌ंबनी हैं।तमु भी इस सस्मरणं सेकुछ खक्रयाओ ◌ंको छाँटकर खलिो और उनसेभाववाचक सज्ञां बनाओ।

उत्तर

खक्रया - भाववाचक सज्ञां

चमकना - चमक

भागना - भाग

बदलना - बदल

ि◌रीदना - ि◌रीद

ओढ़ना - ओढ़

पष्ठ सख्यां: 13

2. सस्मरणं मेंआए अग्रेज़ीं केशब्दों को छाँटकरखलिो और उनकेखहदीं अथटजानो।

उत्तर

अग्रेजीं शब्द - खहदीं अरथ्

फ्रॉक - लड़खकयों केपहननेका घेरदारझबला

स्कटट- लड़खकयों केपहननेका घेरदारघाघरा

चॉकलेटी- भरा ू

लैमनकलर - नींब ूजैसारंग

ट्यखनकू - ढीला पोशाक

पोखलश - जतेूको चमकानेकेखलए

ऑखलव ऑयल - जैतनू का तेल

कै स्टरऑयल - रेड़का तेल

ग्रामोफ़ोन - गानेसननेुका यतंर्

टेलीखवज़न- दरदशटनू

आइसक्रीम - कुलफ़ी जैसी

पेटीज़- कचौड़ी जैसी

ब्राउन ब्रेड- भरेूरंग का पाव

चेस्टनट- अिरोट का फल

कन्फै क्शनरीकाउंटर - खमठाई की दकानू का काउंटर

स्पीड - गखत

3. अब तुम नीचेललखेवाक्यों को पढ़ो और उनकेसामनेलवशेषणकेभेदोंको ललखो -

(क) मझेुदो दजटनके लेचाखहए।

► दो दजटन, खनखित सख्यावाचकं खवशेषण

(ि) दो खकलो अनाज देदो।

▶ दो खकलो, खनखित पररमाणवाचक खवशेषण

(ग) कुछ बच्चेआ रहेहैं।

▶ कुछ, अखनखित सख्यावाचकं खवशेषण

(घ) तम्हारा ु सारा प्रयत्न बेकाररहा।

▶ तम्हारा ु , सावटनाखमकखवशेषण

(ड) सभी लोग हँसरहेथे।

▶ सभी , अखनखित सख्यावाचकं खवशेषण

(च) तम्हारा ु नाम बहतु सदर ं ु है।

▶ बहतु , गणवाचकु खवशेषण

4. कपडों मेंमेरीखदलचखस्पयाँमेरीमौसी जानती थीं।

इस वाक्य मेंरिाखकतं शब्द 'खदलचखस्पयाँ' और 'मौसी' सज्ञाओं ं की खवशेषताबता रहेहैं,इसखलए येसावटनाखमक खवशेषणहैं।सवटनामकभी-कभी खवशेषणका काम भी करतेहैं।पाठ मेंसेऐसेपाँचउदाहरण छाँटकरखलो।

उत्तर

- मैंतमसेुकुछ इतनी बडी हँखक तम्हारी ु दादी भी हो सकती हँनानी भी।
- बचपन मेंहमेंअपनेमोजे ि दु धोनेपड़तेथे।
- हम बच्चेइतवार की सबहु इसी मेंलगाते।
- कुछ एकदम लाल, कुछ गलाबी ु, रसभरी कसमल।

- मैंनेअपनेछोटेभाइटका टोपा उठाकर खसर पर रि।